एनसीएल में सीएसआईआर स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला (एनसीएल) में 62वाँ सीएसआईआर स्थापना दिवस मनाने हेतु तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था । समारोह के पहले दिन अर्थात 24/9/2004 को एनसीएल के पूर्व प्रतिष्ठित वैज्ञानिक तथा वर्तमान में डॉ. बी.आर.अम्बेडकर जैवचिकित्सा अनुसंधान केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय के अतिथि प्रोफेसर प्रो.सुखदेव के व्याख्यान का आयोजन किया गया था । सीएसआईआर स्थापना दिवस समारोह के एक भाग के रूप में **सीएसआईआर के निर्माता** श्रृंखला के अधीन व्याख्यान देने हेतु एनसीएल प्रतिवर्ष सीएसआईआर परिवार के लब्धप्रतिष्ठित सदस्य को आमंत्रित करती है । प्रो. सुखदेव जो एक प्रतिष्ठित कार्बनिक रसायनज्ञ हैं, ने प्राकृतिक उत्पाद रसायनविज्ञान के क्षेत्र में प्रारंभिक योगदान दिया है । उन्होंने **भारत की जैवविविधता के पथ पर एक रसायनज्ञ की यात्रा** नामक विषय पर व्याख्यान दिया ।

प्रो. सुखदेव ने अनुसंधानकर्ताओं से आग्रह किया के वे परंपरागत ज्ञान की खोज के लिए विज्ञान के आधुनिक उपकरणों एवं तकनीकों का प्रयोग करें । उन्होंने आगे कहा, ''आयुर्वेद में बहुत सी औषधियों का वर्णन है परंतु उन औषधियों तथा अन्य औषधीय पौधों की जैविक सक्रियता हेतु उनकी जॉच करने की आवश्यकता है ।'' प्रो. सुखदेव ने ऐसे अनेक पौधों के नाम बताए जिनका प्रयोग उन्होंने उनके अवयव एवं उनकी सक्रियता का अध्ययन करने हेतु किया था । शोध प्रक्रिया के दौरान उन्होंने सिल्वर नाइट्रेट युक्त पतली परत क्रोमैटोग्राफी तथा इनवर्टेड ड्राई कॉलम क्रोमैटोग्राफी जैसी कुछ तकनीकें भी विकसित की थीं । उन्होंने पौधों से पहली बार कई नए अज्ञात कार्बनिक यौगिकों को अलग करके उनका अभिलक्षणन किया था ।

डॉ. एस शिवराम, निदेशक, एनसीएल ने अपने स्वागत सम्बोधन में प्रो. सुखदेव द्वारा प्राकृतिक उत्पाद रसायनविज्ञान के क्षेत्र में किए गए योगदान पर प्रकाश डाला और **सीएसआईआर के निर्माता** श्रृंखला के अधीन व्याख्यान आयोजित करने की संकल्पना के बारे में संक्षेप में जानकारी दी । इस अवसर पर पिछले एक वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त हुए परिषद कर्मचारियों, परिषद में अपनी निरंतर सेवा के 25 वर्ष पूरे करने वाले परिषद कर्मचारियों, एनसीएल द्वारा आयोजित की गई विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट अंक पाने वाले छात्रों और विज्ञान विषयों में 90 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले परिषद कर्मचारियों के बच्चों को प्रो. सुखदेव ने स्मृति-चिह्न एवं पुरस्कार प्रदान किए ।

-2-

वर्ष 2004 को **वैज्ञानिक जागरूकता वर्ष** के रूप में विनिर्दिष्ट करने संबंधी भारत सरकार के निर्णय के अनुरूप एनसीएल ने **मुक्त दिवस प्रदर्शनी** एवं **मुक्त दिवस व्याख्यान श्रृंखला** जैसे कार्यकलापों का आयोजन करके विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विषयक जानकारी के प्रचार एवं प्रसार की दिशा में विशेष प्रयास किए । एनसीएल के वैज्ञानिकों ने विज्ञान के अध्यापकों तथा छात्रों के लाभ हेतु 24 एवं 25 सितम्बर, 2004 को ''रसायनविज्ञान एवं समाज के लिए उसकी प्रासंगिकता'' जैसे विषयों पर फर्ग्युसन महाविद्यालय, एस.पी. महाविद्यालय, मॉडर्न महाविद्यालय, आबासाहेब गरवारे महाविद्यालय, वाडिया महाविद्यालय, एमआईटी अभियांत्रिकी महाविद्यालय, वीआईटी अभियांत्रिकी महाविद्यालय तथा सिंहगढ़ प्रौद्योगिकी संस्थान में व्याख्यान दिए ।

समारोह के समापन दिवस में मुक्त दिवस प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । एनसीएल की प्रयोगशालाओं तथा सुविधाओं को दर्शकों के लिए खुला रखा गया था । लगभग 10 हजार लोगों ने, जिनमें अधिकाँशतः छात्र तथा विज्ञान के प्रति रुचि रखने वाले लोग थे, यह प्रदर्शनी देखी । मुक्त दिवस के अवसर पर विभिन्न पोस्टरों और वैज्ञानिक प्रयोगों का प्रदर्शन किया गया था । इसके अलावा छात्रों एवं सामान्य जनता के लाभ हेतु एनसीएल सभाभवन में सारे दिन वीडियो द्वारा विज्ञान विषयक फिल्में दिखाई गईं । विज्ञान को अच्छी तरह से समझने हेतु कम्प्यूटर ग्राफिक्स के माध्यम से विज्ञान के कई मॉडल भी दिखाए गए । पोस्टरों एवं प्रदर्शनी के माध्यम से हरित रसायनविज्ञान, औषधियों एवं स्वास्थ्य, ऊर्जा, पर्यावरण, जल, कृषि, वानिकी, जैवकीटनाशक आदि जैसे क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया । प्रदर्शनी के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधछात्रों ने लोगों को अपने अनुसंधान की जानकारी दी । लोगों ने एनसीएल में हो रहे वैज्ञानिक अनुसंधान के विभिन्न एवं महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों की जानकारी प्राप्त करके उसका आनन्द उठाया ।